Hindi Diary/हिन्दी डायरी

एकीकृत अभिकलनात्मक अभियांत्रिकी

डॉ प्रखर गुप्ता, सहायक प्रोफेसर
सूक्ष्म प्रयोगशाला, यांत्रिक एवं वांतरिक्ष अभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी हैदराबाद
KID: 20210404

विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के आधुनिक युग में, नए पदार्थो एवं उत्पाद की खोज में मनुष्य एक नए आयाम की ओर अग्रसर हो रहा है| यद्यपि कुछ प्रयोगों के तहत हम अनूठे गुणधर्म वाले पदार्थ उत्पन कर सकते है, परन्तु इसके उत्पात एवं परीक्षण के लिए अति धनराशि का प्रयोग होगा | क्या मनुष्य के पास इसका कोई समाधान है? प्रौद्योगिकी के इस युग में, संगणक (कंप्यूटर) मानव के लिए वरदान के रूप में प्रमाणित हुआ है| संगणक अनुकार के माध्यम से आज हम नए उत्पात तथा उनका परीक्षण सर्वप्रथम संगणक पर करने के पश्चात वास्तव रूप में उत्पन कर सकते है | इस सन्दर्भ में , आईआईटी हैदराबाद ने आधुनिक अंतर्विषयी शिक्षा के तहत अभिकलनात्मक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी में स्नातक पाठ्यक्रम का आरंभ किया है | यह पाठ्यक्रम भारत सरकार की एन ई पी २०२० नीति के अनुरूप है |

एकीकृत अभिकलनात्मक अभियांत्रिकी (इंटीग्रेटेड कम्प्यूटेशनल इंजीनियरिंग) उपागम के माध्यम से भावी अभियंता नवीन पदार्थ एवं प्रक्रियाएं विकसित कर सकेंगे | इसके अलावा, वह अभिकलनात्मक तथा भौतिक सिद्धांत में समजस्य स्थापित करेंगे |

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान हैदराबाद में राजभाषा कार्यान्वयन समिति का गठन एवं उसका उद्देश्य

श्री नवीन श्रीवास्तव
हिंदी प्रकोष्ठ
KID: 20210405

भारत सरकार की राजभाषा नीति का अनुपालन करते हुए हमारे संस्थान में इस वर्ष जनवरी में राजभाषा कार्यान्वयन समिति का पुनर्गठन किया गया है | इस समिति की हर तिमाही में एक बैठक आयोजित होती है | जिसमे संस्थान में राजभाषा हिन्दी के कार्यान्वयन को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाते हैं | संस्थान के निदेशक इन बैठकों की अध्यक्षता करते हैं | यह समिति सदैव भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय एवं राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी आदेशों/दिशा-निर्देशों के संवैधानिक उपबंधों का संस्थान की परिस्थितियों एवं सीमाओं के अन्तर्गत पालन करने के लिए कटिबद्ध है |

सरकारी कामकाज में राजभाषा हिन्दी का प्रयोग करना हमारा संवैधानिक दायित्व है |
आईए, हम यहाँ से प्रारंभ करें:-

- लिफाफों पर पते हिन्दी में लिख सकते हैं|
- फाइलों, रजिस्टरों, फोल्डरों आदि पर विषय हिन्दी में लिख सकते हैं|
- फाइलों पर टिप्पणियाँ (Remarks) हिन्दी में लिख सकते हैं|
- हिन्दी में प्राप्त तथा हिन्दी में हस्ताक्षरित किसी भी पत्र का उत्तर हिन्दी में ही दें|
- कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, व्याख्यानों आदि के बोर्ड एवं बैनर, निमंत्रण पत्र, पोस्टर आदि सामग्री द्विभाषी रूप में तैयार करवाएं|
- डाक रजिस्टर में प्रविष्टि हिन्दी में कर सकते हैं |

आप क्या कर सकते हैं:-

**“बातचीत हिन्दी में,
अपने हस्ताक्षर हिन्दी में,
जो हिन्दी सीख रहे हैं उनकी सराहना,
अपने दैनिक सरकारी कामकाज में हिन्दी का प्रयोग|”**

संस्थान के सभी सदस्यों का यह संवैधानिक दायित्व है कि वे अपना दैनिक कार्यालयीन कार्य हिन्दी में करें और अन्य लोगों को भी करने हेतु प्रोत्साहित करें|

मेरी माँ

नमन विक्रम
बीटेक प्रथम वर्ष, आईआईआईटी रायचूर
KID: 20210406

मेरी माँ जिसने मुझे है जन्म दीया ,
जिसने अपने हर लम्हे को मेरे नाम किया,
उस माँ का कैसे करूँ गुणगान,
तेरे आगे तो फीका लगे भगवान|
जिन आँखों में आंसू थे,
उन आँखों में ख्वाब तूने भरे,
बस यह तो बता दे माँ,
कि तेरा शुक्रिया कसे अदा करें?
उन लड़कडाते कदमों को मंजिल तूने दिखाया,
जिसने मेरा हाथ थाम कर मुझे चलना सिखाया|
देकर मुझे अपने आँचल की छाया,
माँ की ममता को तूने दिखाया|
चलते-चलते जब जीवन के सागर में,
लहरों ने मुझे थका दिया|
तब तूने मेरा हाथ थाम कर,
मुझे किनारा दिखा दिया|
लेकर तेरे सपने माँ, चलता रहा मैं जीवन के सागर में ,
लहरों को मैने थका दिय|
माँ ,जब मैंने तेरी ममता को ज्ञान लिया,
तब जीवन ने मुझे काबिल बना दिया|
जब माँ, मैंने तुम्हे ही अपना ईश्वर लिया मान,
तो किस्मत भी हो गई मुझपे मेहरबान|
हे माँ, तेरा मैं कैसे करूँ गुणगान,
तेरे आगे तो फीका लगे भगवान|